

(b) if so, how he proposes to check this malpractice;

(c) if not, whether he will have the matter investigated and ensure that the computer feeding is done in the presence of some senior officials conversant with the punching and other technicalities and there is no scope for manipulations by the Punchers while fooding it prior to draw of lots; and

(d) whether at some of the draws, some interested party challenged this and exposed this technique ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF WORKS AND HOUSING
(SHRI MOHAMMED USMAN ARIF) :
As reported by DDA answers are as follows :

(a) No Sir.

(b) Does not arise.

(c) The Delhi Development Authority has reported that there is no possibility of manoeuvring a particular plot/flat and that the system does not require the presence of anybody at the time of data processing.

(d) No such representation challenging the technique was received while holding the draw of lots.

**Sale Permission Regarding Patel Nagar
Rehabilitation Colony**

4177. SHRI CHHANGUR RAM : Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state :

(a) whether it is a fact that sale permission in case of lease-hold double-storied rehabilitation colony in Patel Nagar had been granted only upto April, 1979; and

(b) if so, the reasons for not granting sale permission beyond that period ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE
MINISTRY OF WORKS AND HOUSING
(SHRI MOHAMMED USMAN ARIF) :

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

बस्तर (मध्य प्रदेश) में गंदी बस्तियों में सुधार
के लिए धन

4178. श्री लक्ष्मण वर्मा : क्या निर्माण
और आवास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे
कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार गंदी
बस्तियों के सुधार के लिए धन मंजूर कर रही
है; और

(ख) यदि हाँ, तो इस योजना के अन्तर्गत
बस्तर (मध्य प्रदेश) के लिए कितनी राशि
आवंटित की गई है;

निर्माण और आवास मंत्रालय में उप मंत्री
(श्री मोहम्मद उस्मान आरिफ) : (क) तथा
(ख) शहरी क्षेत्रों में मलिन बस्तियों में पर्या-
वरणीय सुधार की योजना राज्य क्षेत्र में है
और राज्य सरकारों द्वारा अपने वार्षिक योजना
में किये गये परिव्ययों से कार्यान्वित की जा
रही है तथा इस योजना के लिए केन्द्रीय बजट
में कोई महायत्ना उपलब्ध नहीं है। मध्य प्रदेश
सरकार की वार्षिक योजना में इस योजना के
लिए 150 लाख रुपये का प्रावधान किया गया
है। इस योजना के अन्तर्गत राज्य सरकार
द्वारा बस्तर के लिए नियतित राशि के सम्बन्ध
में कोई सूचना उपलब्ध नहीं है।

गिरिजापुरी बांध के गेटों को बन्द करने के
कारण उत्तर प्रदेश में बाढ़ का आना

4179. श्री राम लाल राही : क्या कृषि
मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उनको इस बात की जानकारी

है कि उत्तर प्रदेश में घाई बाढ़ का पता लगाने और राहत कार्यों का सर्वेक्षण करने हेतु कोई केन्द्रीय अधिकारियों का दल उत्तर प्रदेश के सीतापुर, लखीमपुर और बाराबंकी जिलों में गया था;

(ख) यदि हां, तो क्या उसने बाढ़ के कारणों का पता लगाने के लिए लोगों से सम्पर्क किया था। यदि हां, तो उसके निष्कर्ष क्या है;

(ग) गिरिजापुरी बांध के आसपास किन लोगों से पूछताछ की गई थी;

(घ) क्या यह सच है कि बाढ़ गिरिजापुरी बांध से पानी रोककर और फिर एकदम स्लूइस फाटक खोलकर पानी को छोड़ने के कारण आई है; और

(ङ) यदि हां, तो पानी को रोकने के क्या कारण थे ?

कृषि मंत्री (राव बीरेन्द्र सिंह) : (क) केन्द्रीय सरकार ने उत्तर प्रदेश में बाढ़ के कारणों का पता लगाने और राहत कार्यों के सर्वेक्षण के लिए अधिकारियों का कोई दल नियुक्त नहीं किया है। बाढ़ और सूखा सहायता हेतु उत्तर प्रदेश सरकार से प्राप्त ज्ञापन की प्रतिक्रिया में जिस केन्द्रीय दल ने चालू वर्ष में राज्य का दौरा किया था, उसका सम्बंध मुख्यतः बाढ़ और सूखे से उत्पन्न संकट से निपटने के लिए राहत निधि की आवश्यकता का मूल्यांकन करना था।

(ख) से (ङ) प्रश्न नहीं होता।

गाय की चर्बी की मिलावट के कारण वनस्पति का कम उपभोग

4180. श्री रामभवतार शास्त्री : क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मन्त्री यह वताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत में

बहुसंख्यक उपभोक्ताओं ने वनस्पति में गाय की चर्बी की मिलावट का पता चलने के कारण वनस्पति का उपभोग बंद कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो ऐसे उपभोक्ताओं का प्रतिशत क्या है;

(ग) क्या इसका वनस्पति उद्योगों के कार्यकरण पर प्रभाव पड़ा है और कई यूनितों में वनस्पति तेलों का उत्पादन बन्द हो गया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री भागवत झा आजाद) : (क) विभिन्न वनस्पति विनिर्माताओं से लिये गये वनस्पति के नमूनों के विश्लेषण से उनमें गाय की चर्बी के अपमिश्रण का पता नहीं चला है। व्यापार स्तर पर भी वनस्पति में गाय की चर्बी के अपमिश्रण के केवल दो मामले पंजाब सरकार द्वारा सूचित किये गये हैं। वर्ष के दौरान वनस्पति के उत्पादन और प्रेषणों में जो उत्पाद की खपत के भी सूचक हैं, कोई उल्लेखनीय कमी नहीं आयी है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

(ग) जी, नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Agricultural Marketing in Bihar and other States

4181. SHRI BHOGEN德拉 JHA : Will the Minister of RURAL DEVELOPMENT be pleased to state : The specific features of the part played by Government and their agencies to help agricultural marketing in Bihar and other States ?